श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में मनाया गया संविधान दिवस

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

पलवल। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में मंगलवार को संविधान दिवस मनाया गया। संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीम राव अम्बेडकर एवं संविधान समिति के सभी सदस्यों को शिद्दत से याद किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर आर एस राठौड़ ने कहा कि संविधान हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

जवाहर लाल यूनिवर्सिटी से आए संविधान विशेषज्ञ डॉ. सातविक भान ने भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि संविधान से देश के हर नागरिक को अपने मौलिक अधिकार संरक्षित करने का अवसर मिलता है। डीन प्रोफेसर ऋषिपाल ने विद्यार्थियों को संविधान की शक्तियों और उसकी अनुपालना के विषय में जागरूक किया।

मनोविज्ञान और व्यवहार विज्ञान विभाग द्वारा सकिल फैकल्टी ऑफ एप्लाइड साइंसेज एंड ह्यूमैनिटी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। संविधान के बारे में प्रतिभागियों के ज्ञान का परीक्षण करने के लिए एक जीवंत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई।

बीवॉक पब्लिक सर्विस की छात्रा अंजलि शर्मा और उर्मिला ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय पुरस्कार जीता। बीवॉक पब्लिक सर्विस, बीवॉक एमएलटी, डिप्लोमा इन जर्मन लैंग्वेज और सरस्वती कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज की छात्राओं ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर आर एस राठौड़ ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. शिव कुमार, मयंक सिंह, प्रियम श्योराण, ज्योति, जया कौशिक और मनीषा ने अपनी भूमिका निभाई।